नैक के लिए प्रस्तुति
हिन्दी विभाग

गार्गी कॉलेज,
नैक द्वारा मान्यता प्राप्त 'ए' ग्रेड
दिल्ली विश्वविद्यालय

आपका हिंदी विभाग की ओर से हार्दिक अभिनंदन

विभागीय प्रोफ़ाइल

- स्थापना वर्ष : 1967
- साहित्य किसी भी संस्था को जीवंत बनाने में और मानवीय मूल्यों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है
- प्रोग्राम / कोर्स:
  - बी० ए० (ऑनर्स) हिंदी
  - बी० ए० (प्रो) हिन्दी
  - बी० कॉम (प्रो) हिंदी
  - हिंदी में अनिवार्य परीक्षा (सीटीएच)
  - बी० ए० (ऑनर्स) के लिए एईसीसी पाठ्यक्रम
  - बी० ए०(प्रो) और बी० कॉम (प्रो) पाठ्यक्रम के लिए एईसीसी पाठ्यक्रम
  - ऑनर्स पाठ्यक्रमों के लिए जेनेरिक ऐच्छिक (जीई) विषय
- हिंदी विभाग अध्यापन को व्यापक और बहुआयामी बनाता है। इसमें व्यापक शैक्षणिक लचीलापन है।

छात्राओं की विविधता

- हिंदी विभाग समाज के सभी वर्गों के छात्राओं को पढ़ाता है, जिसमें समाज के सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की छात्राएँ भी शामिल हैं।
- विभिन्न सांस्कृतिक परिवेश की छात्राएँ
- पूरे भारत की छात्राएँ- ज्यादातर दिल्ली/एनसीआर, केरल, हरियाणा, यूपी, राजस्थान, बिहार, एमपी, पूर्वोत्तर राज्य- विशेष रूप से ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं।

हिंदी विभाग में राज्य के संबंध में छात्राओं की विविधता

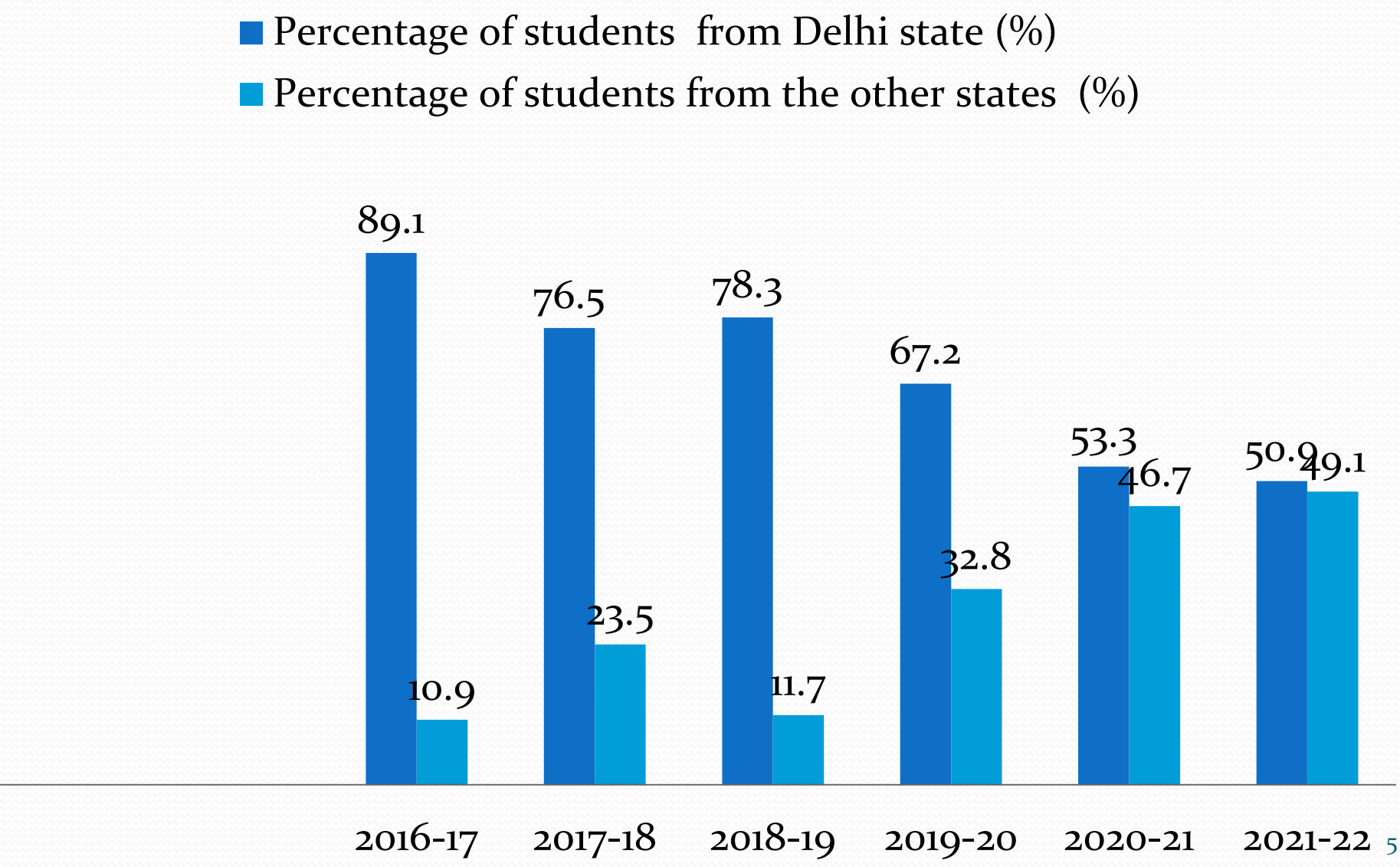

डॉ मीना

डॉ श्रीनिवास त्यागी

डॉ वीणा शर्मा

डॉ अनीता यादव

डॉ स्वाति श्वेता

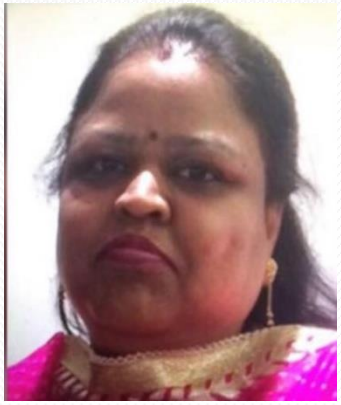

डॉ पार्वती शर्मा

डॉ कृष्णा मीणा

डॉ संतोष कुमार भारद्वाज

डॉ सुनील कुमार वर्मा

डॉ आरती पांडे

बहुआयामी शैक्षणिक संकाय

	महिला	पुरुष
संकाय की संख्या	7	3
प्रोफेसर	1	1
एसोसिएट प्रोफेसर	4	0
असिस्टेंट प्रोफेसर	2	2
तदर्थ संकाय	1	2
पीएचडी	7	3

हिंदी विभाग में 10 पूर्णकालिक बहुआयामी शैक्षणिक संकाय सदस्य (2 प्रोफेसर, 4 एसोसिएट प्रोफेसर और 4 असिस्टेंट प्रोफेसर) हैं जो छात्राओं की शिक्षा के लिए समर्पित हैं

संकाय प्रोफ़ाइल

क्रमांक	नाम	पद	गार्गी कॉलेज में अध्यापन अनुभव
1	डॉ मीना	एसोसिएट प्रोफेसर	16 वर्ष
2	डॉ श्रीनिवास त्यागी	प्रोफेसर	15वर्ष
3	डॉ वीणा शर्मा	एसोसिएट प्रोफेसर	15 वर्ष
4	डॉ अनीता यादव	एसोसिएट प्रोफेसर	15 वर्ष
5	डॉ स्वाति श्वेता	प्रोफेसर	11.75 वर्ष
6	डॉ पार्वती शर्मा	एसोसिएट प्रोफेसर	11.75 वर्ष
7	डॉ कृष्णा मीणा	असिस्टेंट प्रोफेसर	11.75 वर्ष

क्रमांक	नाम	पद	पदकाल
1	डॉ संतोष कुमार भारद्वाज	असिस्टेंट प्रोफेसर	08.07.2022-02.11.2022
2	डॉ सुनील कुमार वर्मा	असिस्टेंट प्रोफेसर	08.07.2022-02.11.2022
3	डॉ आरती पांडे	असिस्टेंट प्रोफेसर	08.07.2022-02.11.2022

पीएचडी के साथ पूर्णकालिक संकाय

संकाय	पीएचडी वर्ष	विश्वविद्यालय	विशेषज्ञता
डॉ मीना	2012	दिल्ली विश्वविद्यालय	हिन्दी मीडिया; हिन्दी साहित्य का इतिहास
डॉ श्रीनिवास त्यागी	2009	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय	भक्ति-काव्य; भारतेंदु-युग
डॉ. वीणा शर्मा	1993	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर	आधुनिक काव्य- निराला; भाषाविज्ञान
डॉ. अनीता यादव	2005	दिल्ली विश्वविद्यालय	हिन्दी नाटक और एकाँकी
डॉ स्वाति श्वेता	2003	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर	आधुनिक कविता (आधुनिक काल से छायावाद तक तथा छायावाद के बाद)
डॉ पार्वती शर्मा	1999	दिल्ली विश्वविद्यालय	रीतिकाल
डॉ कृष्णा मीणा	2018	दिल्ली विश्वविद्यालय	भक्ति काव्य
डॉ संतोष कुमार भारद्वाज	2010	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय	कथा साहित्य; आलोचना; काव्यशास्त्र
डॉ सुनील कुमार वर्मा	2020	दिल्ली विश्वविद्यालय	यात्रा साहित्य; कथा साहित्य
डॉ. आरती पांडे	2020	दिल्ली विश्वविद्यालय	कथा-साहित्य; नई कविता; भाषा विज्ञान

संकाय...

- संकाय सदस्यों के पास साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता और विशेषज्ञता है: आदिकालीन, मध्यकालीन और आधुनिक साहित्य, कविता और आलोचना, भाषा विज्ञान और अनुवाद; साहित्य की विभिन्न विधाओं में जैसे - कविता, नाटक और रंगमंच और उपन्यास और कहानी, जीवनी और आत्मकथा, निबंध लेखन, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत।
- संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं; पुस्तकें, लेख, शोध पत्र और पुस्तक समीक्षा राष्ट्रीय साहित्यिक पत्रिकाओं / यूजीसी केयर सूची और पत्रिकाओं में प्रकाशित की गई हैं।
- संकाय सदस्य विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और वेबिनार, कार्यशालाओं, अभिविन्यास और पुनश्चर्या/एफडीपी पाठ्यक्रमों में भाग लेकर स्वयं को अद्यतन रखते हैं।

शोध प्रवृति

शोध पत्रों की संख्या (47)

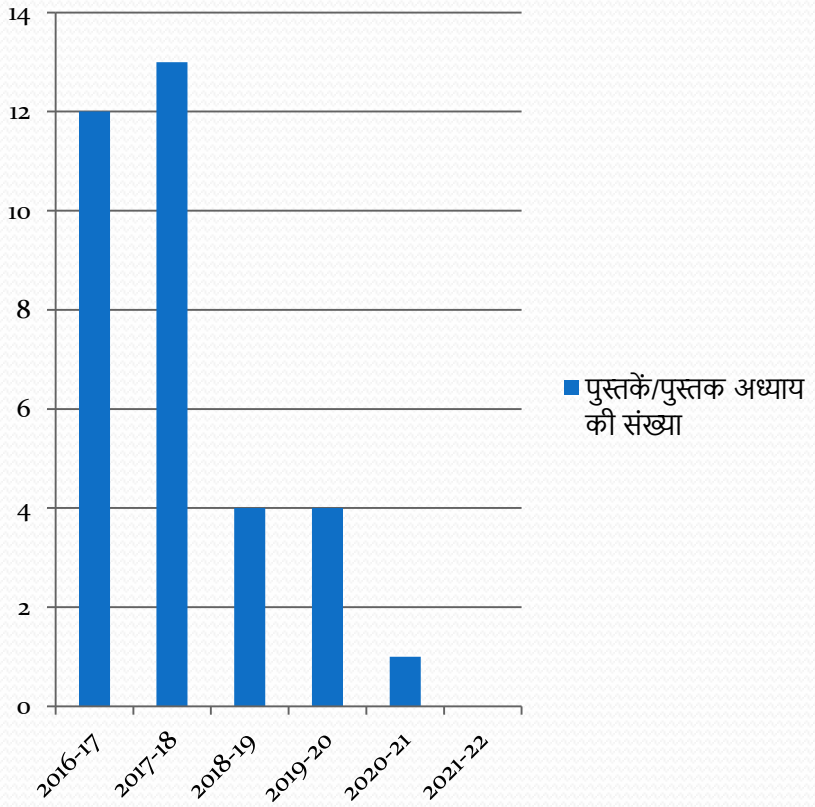

पुस्तकें/पुस्तक अध्याय (34)

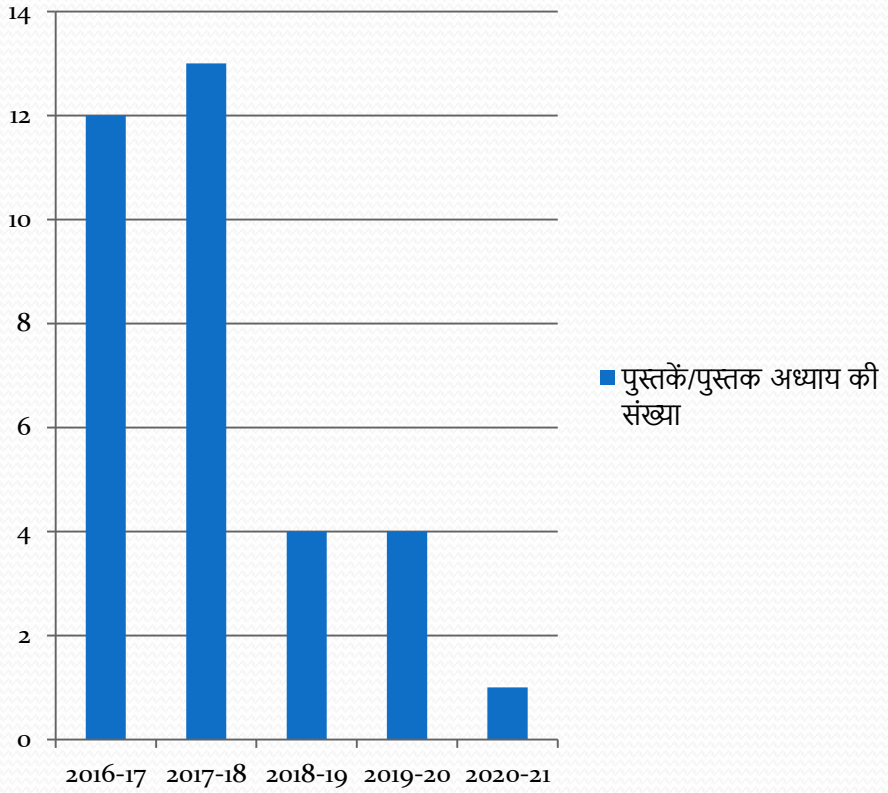

सम्मेलनों में प्रस्तुतिकरण (28) और भागीदारी (24)

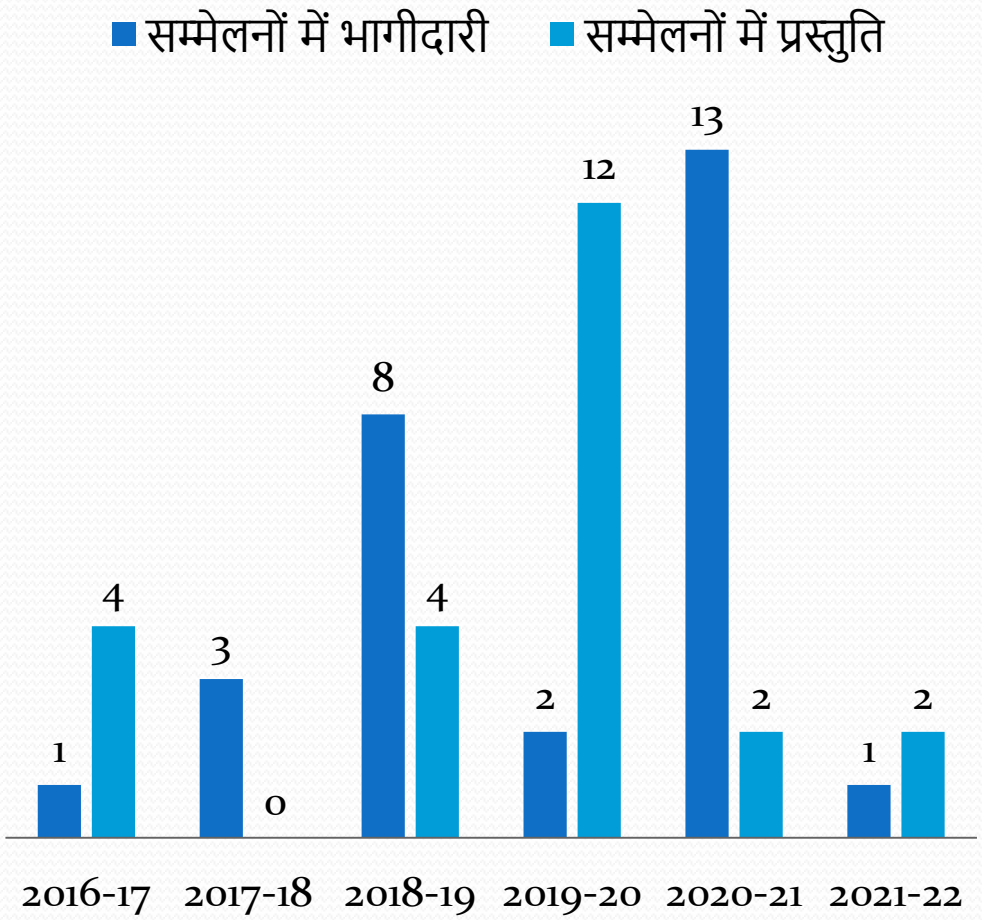

एफडीपी/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (संकाय ज्ञान संवर्धन)(36)

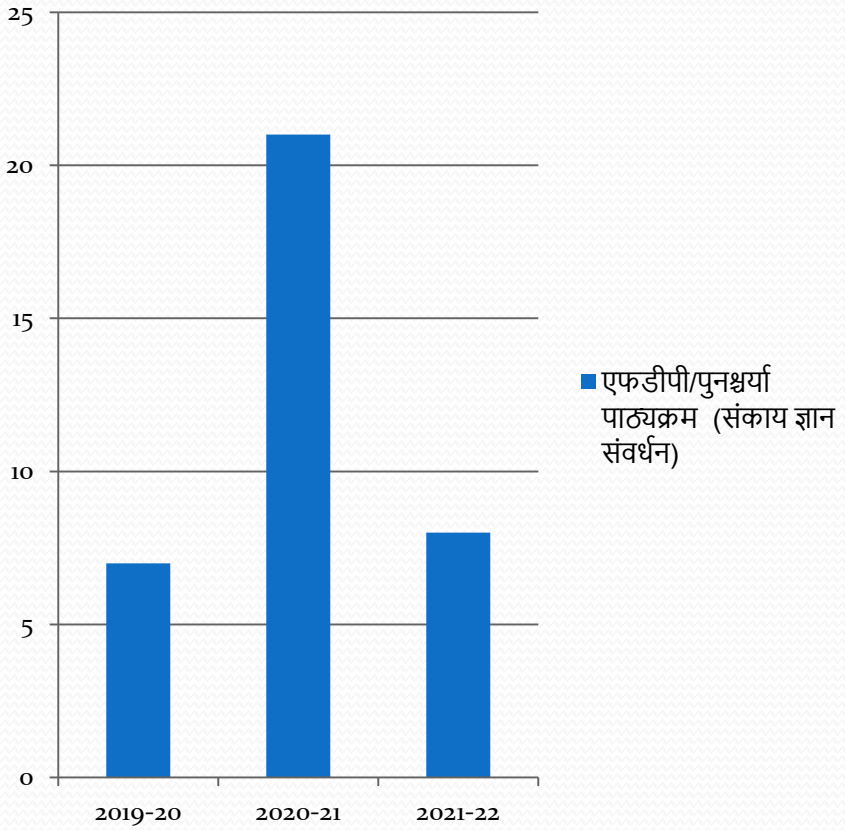

शोध पत्र
भारतीय संस्कृति बनाम पश्चिमी धरती : भावों और विचारों का दस्तावेज
डॉ. स्वाति श्वेता
UGC-CARE LISTED - S.N. - 61
आशापूर्णादेवी की कहानियों में मध्यमवर्गीय संबंध
हिंदी की प्रसिद्ध अनूदित कृतियाँ
-डॉ. मीना
समकालीन समाज में सूर काव्य की प्रासंगिकता
संतोष कुमार भारद्वाज
सुन्दरवाणी में नारी-भावना : एक अनुशीलन
कृष्णा मीणा
मीडिया और महिलाएँ
मीना
आधुनिक हिंदी कविता में राष्ट्रीय चेतना
-डॉ. स्वाति श्वेता
गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।
शंभुनाथ सिंह : लोक जीवन के नवगीतकार
Refereed Journal • ISSN : 2456-0898

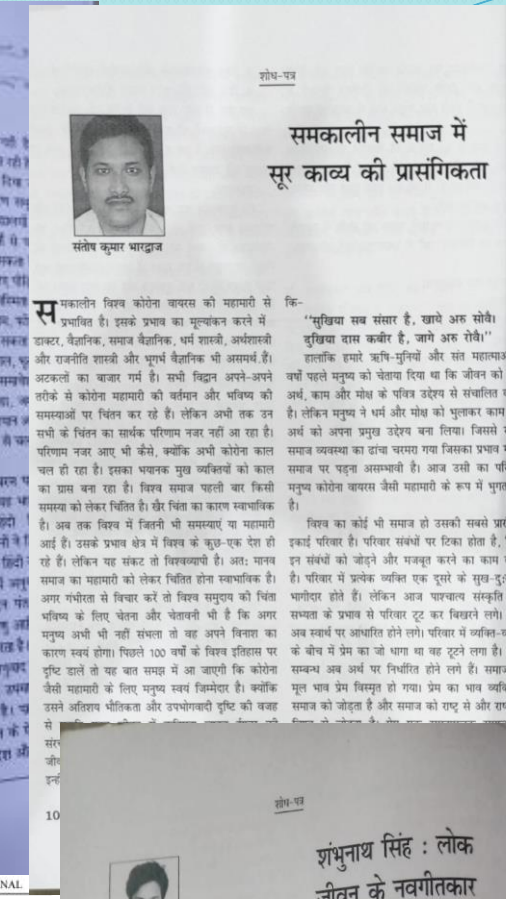

पुस्तकें/पुस्तक अध्याय

अनुसंधान का संवर्धन

- कॉलेज और हिंदी विभाग संकाय सदस्यों की अनुसंधान पहल का बहुत उदारता से समर्थन करते हैं
- कॉलेज अध्ययन अवकाश, शैक्षणिक अवकाश और सम्मेलनों/सेमिनारों में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है
- अभिविन्यास कार्यक्रम; पुनश्चर्या पाठ्यक्रम; एफडीपी; सेमिनार / कार्यशालाएं / वेबिनार; नवाचार परियोजनाएं और अनुसंधान कार्य

रिसर्च गाइड के रूप में मान्यता प्राप्त शिक्षक (4)

पीएचडी शोधार्थी	पंजीकरण	शोध विषय
सुश्री प्रेरणा	2022	समकालीन साहित्य में भ्रष्टाचार नागार्जुन रघुवीर सहाय तथा मुक्तिबोध के संदर्भ में
सुश्री रश्मि मीना	2022	हिंदी भाषा राज्यों की जनजातीय लोककथाओं का सांस्कृतिक अध्ययन
सुश्री सरिता पारीक	2022	स्त्री अस्मिता की दृष्टि से (1980-2010)ई.तक हिंदी उपन्यासों का अध्ययन (स्त्री लेखिकाओं के विशेष सन्दर्भ में)
शिव कुमार	2022	आचार्य चिंतामणि त्रिपाठी के काव्य का काव्यशास्त्रीय अध्ययन
अविरल पटेल	2022	आख्यानात्मक लंबी कविताओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन (इक्कीसवीं सदी की लंबी कविताओं के विशेष संदर्भ में)
अवकेश कुमार	2022	समकालीन हिंदी साहित्य में पारिस्थितिक स्त्रीवाद और पर्यावरणीय चिंतन

अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना

- परियोजना का नाम : GC 304: दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज में भारत स्वच्छ अभियान का तुलनात्मक अध्ययन 2015-16 (1.5 वर्ष)
- अन्वेषक : डॉ. श्रीनिवास त्यागी, डॉ. मीना, डॉ. स्वाति श्वेता (हिंदी), डॉ. मंजू खोसला (वाणिज्य)
- फंडिंग एजेंसी: दिल्ली विश्वविद्यालय
- स्वीकृत राशि: रु.2,50,000

संकाय द्वारा प्राप्त सम्मान

डॉ. अनीता यादव:
युवा व्यंग्य सम्मान 2019;
महिला रचनाकार सम्मान 2021 (हिंदी अकादमीमुंबई);
शिक्षा में पुरस्कार (साहित्य सरोज पत्रिका) 2021

डॉ स्वाति श्वेता: साहित्य के क्षेत्र में इंडिया इंस्पिरेशनल वुमन अवार्ड 2021; साहित्य के क्षेत्र के माध्यम से समाज में योगदान के लिए पुरस्कार 2021

पाठ्यचर्या डिजाइन और कार्यान्वयन

- हिंदी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा डिजाइन किए गए पाठ्यक्रम के अनुसार छात्रों को पढ़ाता है; शिक्षण का कार्यभार तैयार करता है
- सभी पाठ्यक्रमों और सभी शिक्षकों के लिए समय-सारणी तैयार करता है। पाठ योजना और ट्यूटोरियल तैयार करता है।
- कुछ संकाय सदस्य विश्वविद्यालय के यूजी कार्यक्रमों के लिए प्रश्न पत्र बनाने में शामिल हैं

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया

- साहित्य में उत्तर अधिक प्रश्न उठाता है। उत्तर खोजने के लिए हम पाठ का सामना करते हैं। हम छात्राओं में उनके प्रश्नों के उत्तर स्वयं खोजने के लिए उत्सुकता पैदा करते हैं।
- इसके लिए विभिन्न छात्र केंद्रित तकनीकों का उपयोग किया जाता है: समूह चर्चा; पावरप्वाइंट प्रस्तुति; बहस; प्रश्न-उत्तर सत्र; व्हाट्सएप क्लास ग्रुप; टेक्स्ट रीडिंग (विशेष रूप से गैर-हिंदी भाषी छात्राओं के लिए)।गूगल क्लासरूम/ज़ूम जैसे विभिन्न प्लेटफॉर्म का उपयोग करके ई-क्लासरूम जैसी तकनीक का उपयोग।
- छात्राओं को अतिरिक्त अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना। छात्राओं के पढ़ने और लिखने के कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

विषय	हिन्दी
प्रश्नपत्र सं. एवं शीर्षक	P1 : हिन्दी साहित्य का इतिहास
इकाई सं. एवं शीर्षक	M15 : हिन्दी साहित्य में आधुनिकता का उदय
इकाई टैग	HND_P1_M15
प्रधान निरीक्षक	प्रो. रामबक्ष जाट
प्रश्नपत्र-संयोजक	डॉ. रिमता चतुर्वेदी
इकाई-लेखक सह-लेखक	प्रो. मैनेजर पाण्डेय डॉ. राहुल सिंह
इकाई-समीक्षक	प्रो. हरिमोहन शर्मा
भाषा-सम्पादक	डॉ. राहुल सिंह

पाठ का प्रारूप

1. पाठ का उद्देश्य
2. प्रस्तावना
3. आधुनिकता की अवधारणा
4. आधुनिकता की अवधारणा और उसके सैद्धिक आधार
   - 4.1. प्रेस का आगमन
   - 4.2. तकनीक का विकास
   - 4.3. भारतेन्दु-युग में गद्य का विकास
5. साहित्य में आधुनिकता के मूल सरोकार : साहित्य के माध्यम से
   - 5.1. भारतेन्दुयुगीन हिन्दी साहित्य में आधुनिकता
   - 5.2. महावीरप्रसाद द्विवेदी और आधुनिकता
   - 5.3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और आधुनिकता
   - 5.4. प्रेमचन्द और आधुनिकता
6. निष्कर्ष

बचपन

धनपतराय की उम्र जब केवल आठ साल की थी तो माता के स्वर्गवास हो जाने के बाद से अपने जीवन के अन्त तक लगातार विषम परिस्थितियों का सामना धनपतराय को करना पड़ा। पिताजी ने दूसरी शादी कर ली जिसके कारण बालक प्रेम व स्नेह को चाहते हुए भी ना पा सका। आपका जीवन गरीबी में ही पला। कहा जाता है कि आपके घर में अत्यंत गरीबी थी। पहनने के लिए कपड़े न होते थे और न ही खाने के लिए पर्याप्त भोजन मिलता था। इन सबके अलावा घर में सौतेली माँ का व्यवहार भी हालत को खस्ता करने वाला था।

संत कबीर

कबीर, सन्त, कवि और समाज सुधारक थे।
ये सिकन्दर लोदी के समकालीन थे।
कबीर का अर्थ अरबी भाषा में महान होता है। कबीरदास भारत के भक्ति काव्य परंपरा के महानतम कवियों में से एक थे।

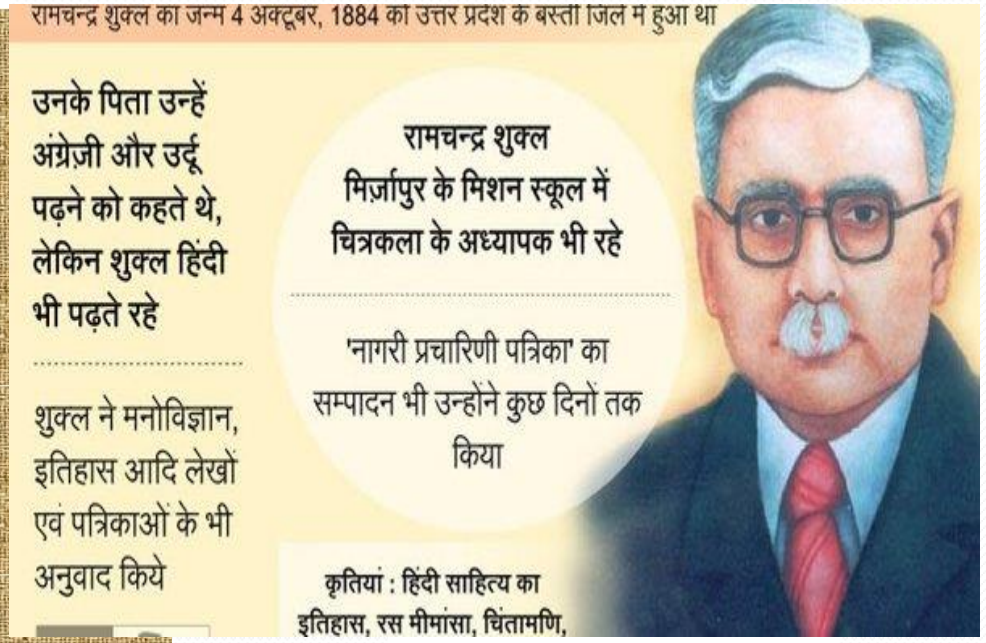

अनुप्रयुक्त साहित्य

- हिंदी विभाग सीखने में विश्वास करता है।
- शिक्षक और छात्राएं मिलकर ज्ञान, कौशल और ज्ञान का विस्तार करने की यात्रा करते हैं। साहित्य सीखना अपनी सतत प्रक्रिया है।
- शिक्षक और छात्राएं मिलकर साहित्यिक युग को समझने, विश्लेषण करने और आलोचनात्मक मूल्यांकन करने का प्रयास करते हैं।
- आधुनिक समय में मूल्यों और परंपराओं की प्रासंगिकता और उनकी स्वीकार्यता को समझना।

छात्राओं की भागीदारी

- विभाग छात्राओं को परंपरा और आधुनिकता, अतीत और वर्तमान के बीच एक अच्छा संतुलन बनाने में मदद करके तथा उनके विचारों को पोषित करने में विश्वास करता है।
- हिन्दी विभाग छात्राओं को अंतः/अन्तर-महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- इसके अलावा, छात्राएं कॉलेज की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं जैसे: एनएसएस, एनसीसी, स्पोर्ट्स, ईको-क्लब और कॉलेज पत्रिका।

हिंदी साहित्य परिषद

छात्रा संयोजिका-पुष्पांकिता तिवारी

हिंदी साहित्य परिषद् ने शैक्षिक वर्ष 2017-18 में गार्गी कॉलेज में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया। हिंदी विभाग छात्राओं की अभिरुचि एवं साहित्यिक ज्ञान वर्धन के लिए समय समय पर विशेष व्याख्यान व सेमिनार का भी आयोजन करता रहा है।

सत्र का आरंभ परिषद् के छात्र संघ के विविध पदों के प्रतिनिधियों के चुनाव से हुआ। पदाधिकारियों के नाम कुछ इस प्रकार से हैं–

पुष्पांकिता तिवारी (अध्यक्षा), स्मृति शर्मा (सचिव), अंतरिक्ष रॉय (उपाध्यक्षों), मनीषा शर्मा (कोषाध्यक्ष), संस्कृति मिश्रा (कुलानुशासक)

तुलसीदास जयंती एवं प्रेमचंद जी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 31.07.2017 को इस सत्र की पहली प्रतियोगिता अंतः विभागीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभाग की छात्राओं ने प्रतियोगिता में दिए गए विभिन्न विषयों पर बढ़ चढ़कर अपनी सृजनात… परिचय दिया तथा सर्वश्रेष्ठ तीन निबंधों को पुरस्कृत किया गया।

इसके उपरांत परिषद् द्वारा दिनांक 14.09.2017 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में रोजगार की संभावनाएँ'' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुर… एवं मुख्य वक्ता थे श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के वर्तमान हिंदी विभागध्यक्ष एसोसिए… डॉक्टर रवि शर्मा 'मधुप' जी। उन्होंने छात्राओं को हिंदी में रोजगार के विविधि विकल्पों… कराया जैसे–प्राध्यापन कार्य, पत्रकारिता, अनुवादन कार्य, राजभाषा विभाग में विभिन्न… नियुक्ति, रेडियों कार्य में हिंदी, इत्यादि तथा विभिनन पाठ… करायां विभाग की छात्राओं ने अपनी सक्रियता दिखाते हुए अ… हुए।

दिनांक 20.09.2018 को विभाग द्वारा छात्राओं की प्रत्युत्पन्न… करने के लिए आशु भाषाण प्रतियोगिता का आयोजन किया…

हिंदी साहित्य परिषद ने शैक्षिक वर्ष 2018–19 में गार्गी कॉलेज में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया। हिंदी विभाग समय–समय पर छात्राओं की अभिरुचि एवं साहित्यिक ज्ञानवर्धन के लिए विशेष व्याख्यान व सेमिनारों का आयोजन करता रहता है। सत्र का आरंभ हिंदी साहित्य परिषद के छात्र संघ के विविध पदों के प्रतिनिधियों के चुनाव से हुआ। पदाधिकारियों के नाम इस प्रकार से हैं–

मनीषा शर्मा–तृतीय वर्ष (अध्यक्षा), नीतिका–द्वितीय वर्ष (महासचिव),दीपा पोखराल–द्वितीय वर्ष (उपाध्यक्षा),प्रियंका कुमारी–तृतीय वर्ष (सांस्कृतिक सचिव), सोनाली –तृतीय वर्ष (कुलानुशासक) दिव्यांशी पाण्डेय–प्रथम वर्ष (कोषाध्यक्ष)

कक्षा प्रतिनिधि–दीक्षा राय(तृतीय वर्ष),राखी(तृतीय वर्ष),ज्योति लुथरा(द्वितीय वर्ष), राखी (द्वितीयवर्ष), प्रिया कुमारी (प्रथम वर्ष), नेहा कुमारी (प्रथम वर्ष)

हिंदी साहित्य परिषद के द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर हिंदी सप्ताह समारोह का आयोजन दिनांक 14/09/2018 से 20/09/2018 तक किया गया। हिंदी सप्ताह समारोह के अंतर्गत प्रत्येक दिन अलग–अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्राचार्या डॉ.प्रोमिला कुमार ने अपने सुंदर और प्रेरक वचनों से हिंदी सप्ताह का शुभारम्भ किया। …'प्रतियोगिता हुई,जिसके निर्णायक मंडल में …रहें। इसमें कुल 72 प्रतिभागी सम्मलित हुए। …छात्रा प्राची चौधरी को मिला।

…हुई,जिसके निर्णायक–मंडल में डॉ ममता त्रिपाठी और डॉ. मीना रहें।जिसमे कुल 24 प्रतिभागी रहे। इसमें प्रथम पुरस्कार–प्राची चौधरी,द्वितीय पुरस्कार–शारदा यादव–बी,ए,पास,तृतीय पुरस्कार–पूजा कुमारी को मिला।

हिन्दी साहित्य परिषद् ने शैक्षिक वर्ष 2016-17 में गार्गी कॉलेज में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया| हिन्दी विभाग छात्राओं की अभिरुचि एवं साहित्यिक ज्ञानवर्धन के लिए समय-समय पर विशेष व्याख्यान व सेमिनार का भी आयोजन करता रहा है| महाविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्षगांठ के अंतर्गत विभाग ने प्रत्येक माह किसी न किसी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया| साहित्य परिषद् द्वारा आयोजित "साहित्योत्सव-2017" के सफल आयोजन एवं समापन के पश्चात दिल्ली विश्वविद्यालय के अनेक महाविद्यालयों ने इस कार्यक्रम को सराहा|

हिन्दी साहित्य परिषद् के छात्र संघ चुनाव के पश्चात अध्यक्ष- आरना तिवारी, उपाध्यक्ष- पुष्पांकिता तिवारी, कोषाध्यक्ष- स्मृति शर्मा, सचिव- रचना दास एवं कुलानुशासक- लवलीन मौंगा को चुना गया| तत्पश्चात साहित्य परिषद् के द्वारा सत्र के पहले व्याख्यान का आयोजन हिन्दी दिवस के अवसर पर हुआ| व्याख्यान के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. पूरन चंद टण्डन को आमंत्रित किया गया, जिसमें प्रो. टण्डन जी ने छात्राओं को 'स्वतंत्र भारत में हिन्दी कार्यान्वयन की आवश्यकता' पर अपने विचारों से लाभान्वित किया|

साहित्य परिषद् ने दिनांक 20-09-2016 को सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया| प्रतियोगिता में तीस से अधिक छात्राओं ने भाग लिया| प्रतियोगिता में सृजनात्मकता के माध्यम से छात्राओं ने 'कश्मीर का दुःख, हमारा रूख', 'जेंडर और जाति के प्रश्न' एवं 'भारत में खाद्य समस्या' आदि विषयों पर विचार अभिव्यक्त किये|

साहित्य की हर विधा में छात्राओं को निपुण करने एवं उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए, साहित्य परिषद् ने दिनांक 25-10-2016 को कथा-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया| कार्यक्रम में बीस से अधिक छात्राओं ने भाग लिया तथा कार्यक्रम को सफल बनाया|

जनवरी 2017 के महीने में साहित्य परिषद् के द्वारा स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया| कविता पाठ प्रतियोगिता के लिए छात्राओं में अलग ही उत्साह देखने को मिला| कवितायें 'महिला सशक्तिकरण' से लेकर 'भ्रष्टाचार', 'ग्लोबल वॉर्मिंग' से लेकर 'लोकसभा चुनाव' इत्यादि विभिन्न विषयों पर केंद्रित थी|

"साहित्योत्सव-2017" इस सत्र का अत्याधिक चर्चित कार्यक्रम रहा| "साहित्योत्सव" के अंतर्गत एक दिवसीय विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध नाटककार एवं रंगकर्मी डॉ. दया प्रकाश सिन्हा एवं नेशनल अकादमी ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स की पूर्व उपसचिव (नाट्य) श्रीमती किरण भटनागर को आमंत्रित किया गया| संगोष्ठी में मुख्य वक्ताओं के अलावा गार्गी कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रोमिला कुमार एवं विभाग के प्राध्यापकों ने 'हिन्दी रंगमंच: एक संवाद' पर अपने विचार प्रस्तुत कर दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से आये छात्र-छात्राओं को लाभान्वित किया| "साहित्योत्सव-2017" में संगोष्ठी के अलावा 'कलम की नोक से- रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता' एवं 'अल्फ़ाज़ की गूँज- स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता' का भी सफल आयोजन किया गया|

…द्वितीय वर्ष), अस्मिता सुमन (प्रथम वर्ष), मनीषा (प्रथम वर्ष)

…स सत्र के प्रारम्भ में ही 23 अगस्त 2019 को हमने' जीवन में गुरु का महत्व 'विषय पर एक व्याख्यान …योजित किया' |जीवन में गुरु के महत्व 'पर भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री …ननीय श्री.शंकरानंद जी बहुत ही मार्मिक और तार्किक ढंग से समझाया कि गुरु को वर्तमान समय और …माज में कैसे अपनी उपयोगी भूमिका निभानी है|

…3अगस्त 2019 को हमने अनुभूति के साथ मिलकर देश के जाने-माने पत्रकार श्री.अभिज्ञान प्रकाश को …चनात्मकता के विविध आयाम 'विषय पर संवाद हेतु आमंत्रित किया | छात्राओं का अभिज्ञान के साथ …नात्मकता के कई पहलुओं पर गंभीरता से संवाद हुआ |

…दी साहित्य परिषद ने अनुभूति के साथ मिलकर हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर हिंदी सप्ताह समारोह का … सितम्बर 2019 से 20 सितम्बर 201 9तक भव्य आयोजन किया |हमने हिंदी सप्ताह समारोह के

हिंदी साहित्य परिषद की गतिविधियां

- शिक्षण में उत्कृष्टता के अलावा, हिन्दी विभाग ने छात्राओं के लिए एक सक्रिय साहित्यिक संस्था 'हिंदी साहित्य परिषद' का गठन किया है जो हिंदी विभाग छात्राओं को सर्वांगीण विकास प्राप्त करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है
- विभाग प्रत्येक सत्र में नियमित रूप से छात्राओं को उनकी साहित्यिक प्रतिभा और कौशल को निखारने के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता, कविता-लेखन, कहानी-लेखन, निबंध-प्रतियोगिता आदि आयोजित करता है।

... हिंदी साहित्य परिषद

- हमारे विभाग ने श्री अरविन्द कुमार (राज्यसभा टीवी), श्री जीतेन्द्र पवार (डाक्यूमेंट्री निर्देशक) मृदुला गर्ग (लेखिका), डॉ.दया प्रकाश सिन्हा (रंगकर्मी) और ज्ञान प्रकाश (पत्रकार) के साथ वार्ता का आयोजन किया।
- हिंदी विभाग ने छात्राओं को जीवन, समाज और राष्ट्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु एक पत्रिका 'विचारायन' शुरू की है।

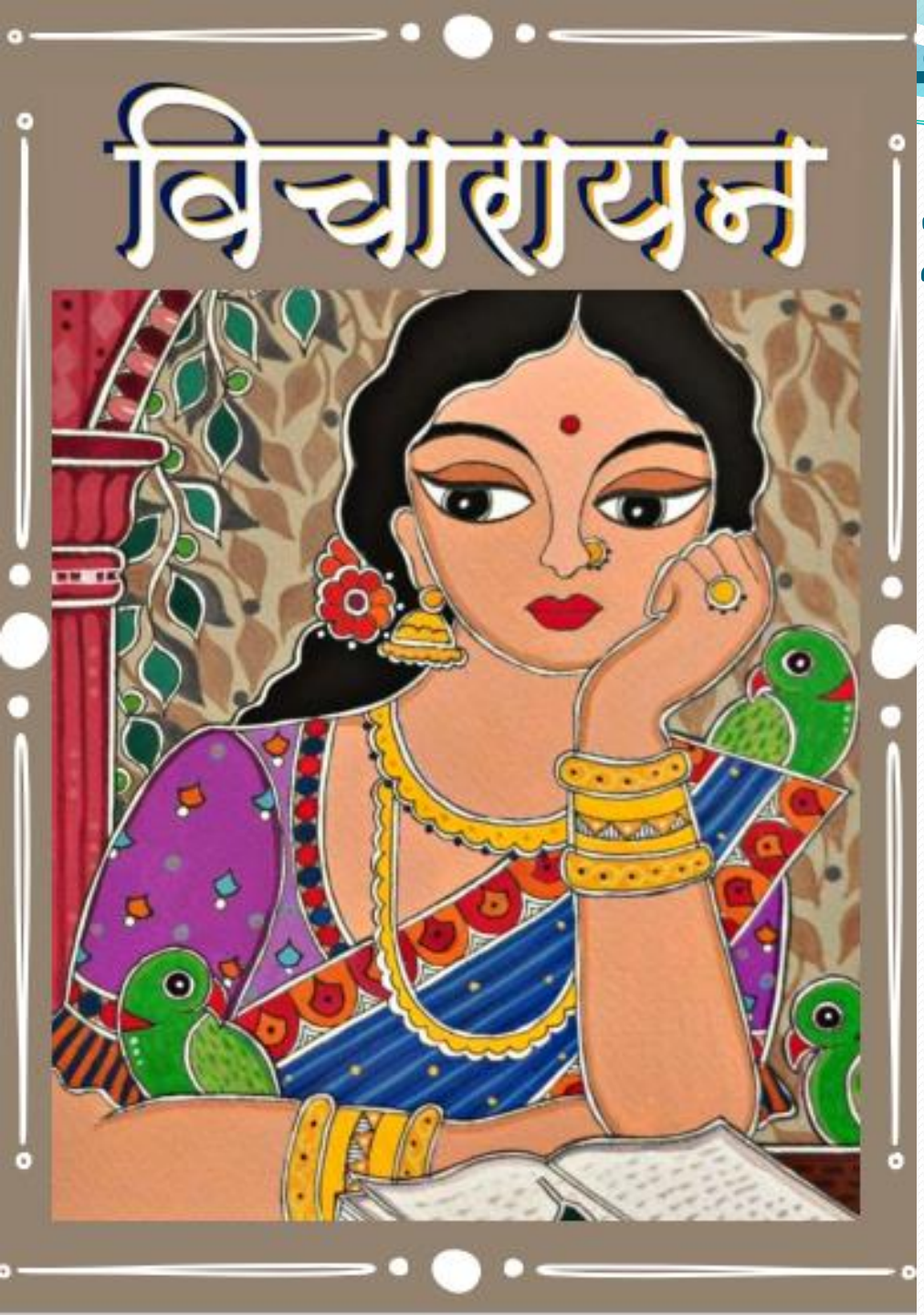

विभागीय पत्रिका

2021-22

ARTISTIC EYE
PHOTOGRAPHERS

GARGI COLLEGE

हिन्दी साहित्य परिषद्
दिनांक 12/01/18
द्वारा आयोजित
गेय पद गायन प्रतियोगिता

कलरव'22
विदाई-समारोह

हिंदी साहित्य परिषद की आगामी गतिविधियाँ (2022-23)

क्रमांक	आयोजन का नाम	दिनांक
1.	हिंदी पखवाड़ा सप्ताह	14-20 सितंबर 2022
2.	आईसीटी कार्यशाला	18-19 अक्टूबर 2022
3.	हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता	17-18 नवंबर 2022
4.	हिंदी रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता	15-16 दिसंबर 2022
5.	अतिथि वक्ता वार्ता	18 जनवरी 2023
6.	स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता	9-10 फ़रवरी 2023
7.	हिंदी साहित्य परिषद का वार्षिक समारोह	10-11 मार्च 2023

अनुभूति & समीक्षा

- ‘अनुभूति’-हिंदी सृजनात्मक लेखन समिति, विभिन्न विभागों से संबंध छात्राओं की सृजनात्मक लेखन की क्षमता को उभार कर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर एक सार्थक मंच प्रदान किया है
- ‘समीक्षा’- अन्तर-विभागीय वाद-विवाद समिति, छात्राओं में हिंदी की इस साहित्यिक विधा को निखार लाती है।

छात्राओं द्वारा जीते गए पुरस्कार

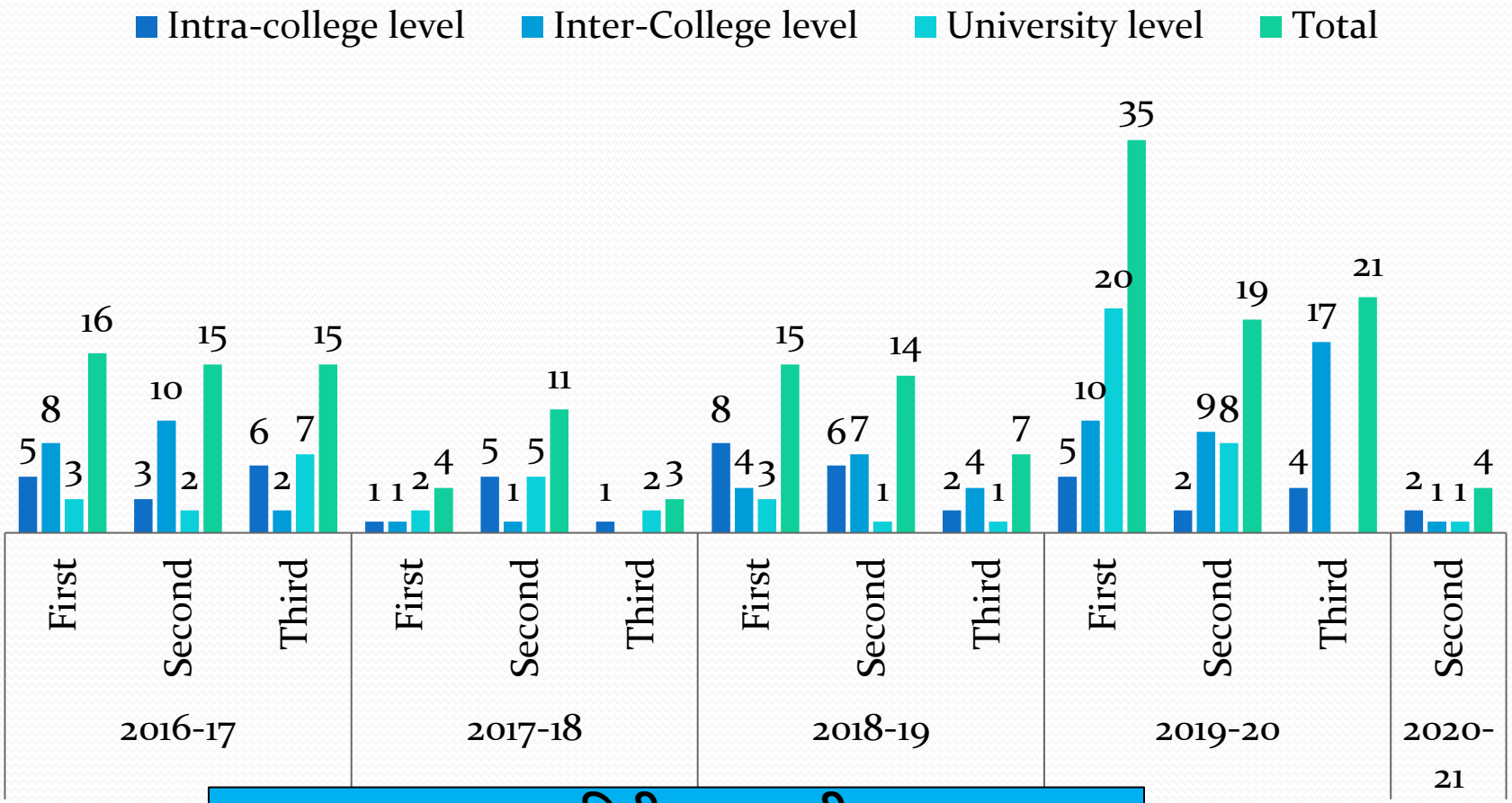

पुरस्कार: प्रथम-70; द्वितीय-63; तृतीय-46; कुल-179

मेंटरशिप

- हिंदी विभाग के पास छात्राओं की शैक्षणिक और व्यक्तिगत आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए एक मेंटर-मेंटी सिस्टम है
- छात्रवृत्ति; किताबें और अध्ययन सामग्री प्रदान करना; छात्रों को गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना; विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रेरित
- कोरोना महामारी के कठिन वक्त में विद्यार्थियों को मानसिक संबल देने की भरपूर कोशिश

छात्राओं को छात्रवृत्ति

- 2016-17: छात्रा कल्याण कोष (21); मेरिट छात्रवृत्ति (1)
- 2017-18: छात्रा कल्याण कोष (10); खेल छात्रवृत्ति (2)
- 2018-19: छात्रा कल्याण कोष (29); खेल छात्रवृत्ति (1)
- 2019-20: छात्रा कल्याण कोष (25); खेल छात्रवृत्ति (1)
- 2020-21: छात्रा कल्याण कोष (25); खेल छात्रवृत्ति (1));
  मेरिट छात्रवृत्ति (1)

पूर्व छात्राओं की उपलब्धियां

- यूजीसी नेट & सीटीईटी परीक्षा में उत्तीर्ण
- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम &पीएचडी में शामिल
- नौकरी (पीआरटी टीचर, को-एडिटर, सीनियर एसोसिएट, थिएटर आर्टिस्ट, एनजीओ कोऑर्डिनेटर)

पूर्व छात्राओं की प्रतिक्रिया

- गार्गी मेरे लिए केवल एक महाविद्यालय ही नहीं है अपितु मेरे व्यक्तित्त्व के विकास में भी सहायक है यहां मैंने अपनी खूबियों को पहचाना और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी मिली जिसमे मेरे हिंदी विभाग व विभाग की सृजनात्मक लेखन समिति अनुभूति का योगदान अतुलनीय है। मैं अपने सभी शिक्षिका एवं शिक्षकों की आभारी हूँ जो आज भी मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं।
- पूरे विभाग के फैकल्टी बहुत मददगार और सहयोगी हैं, मैं वास्तव में अपनी शिक्षा के लिए अद्भुत फैकल्टी और सर्वश्रेष्ठ कॉलेज पाकर धन्य हूं।
- मैं पूरे हिंदी परिवार की सराहना करता हूं कि उन्होंने ऐसा माहौल बनाया, जिससे मुझे एक खिले हुए फूल की तरह बढ़ने में मदद मिली।

पुस्तकालय (हिंदी विभाग के लिए)

- हिंदी पाठ्यपुस्तकें: 3428 (वर्ष 2016 - 2850)
- हिंदी संदर्भ पुस्तकें: 1131
- हिंदी शोध पत्रिकाएं: हंस, आजकल, कथादेश, नवनीत, साहित्य अमृत, तद्भव, वागार्थ
- हिंदी भाषा मैगजीन: इंडिया टुडे, योजना, कुरुक्षेत्र, आउटलुक, प्रतियोगिता दर्पण
- हिंदी भाषा समाचार पत्र: नवभारत टाइम्स, हिंदुस्तान, राष्ट्रीय सहारा, जनसत्ता, नवभारत टाइम्स, अमर उजाला, दैनिक जागरण

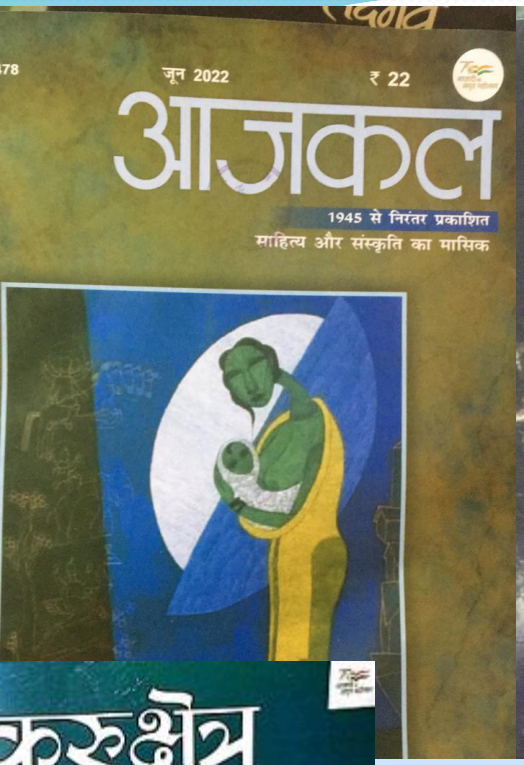
जून 2022
₹ 22
आजकल
1945 से निरंतर प्रकाशित
साहित्य और संस्कृति का मासिक

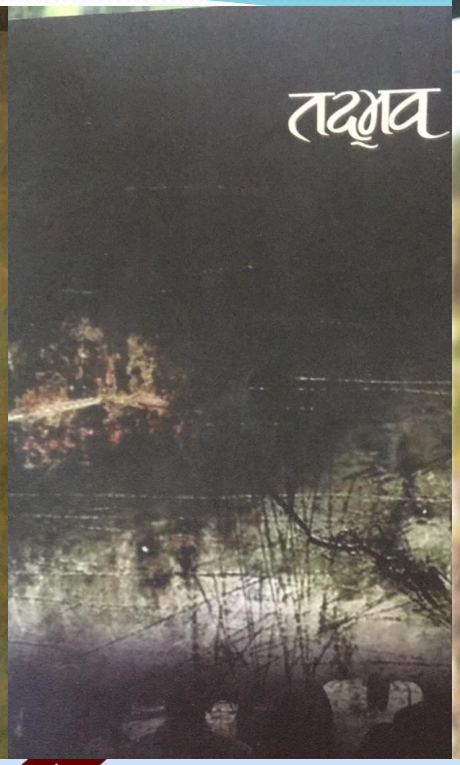
तद्भव

कथादेश

साहित्य अमृत
जुलाई 2022 • साहित्य एवं संस्कृति का संवाहक • मासिक • पृष्ठ 84 • ISSN 2455-11

कुरुक्षेत्र
ग्रामीण विकास को समर्पित
केंद्रीय
बजट
2022-23

राम विलास शर्मा पर विशेष
ISSN 2394-1723
मूल्य : 30 रुपये
वागर्थ
वर्ष 28 अंक 320 जुलाई 2022
रूसी यूक्रेनी पोलिश कविताएं
युद्ध और आज का विश्व
नरेश सक्सेना अरुण कमल रवि भूषण
कुमार प्रशांत विजय कुमार वैभव सिंह
गीतांजलि श्री का उपन्यास 'रेत समाधि'
कहानियाँ
विनय सिंह सुरेश बाबू मिश्रा
प्रेम रंजन अनिमेष कुमार विश्वबंधु

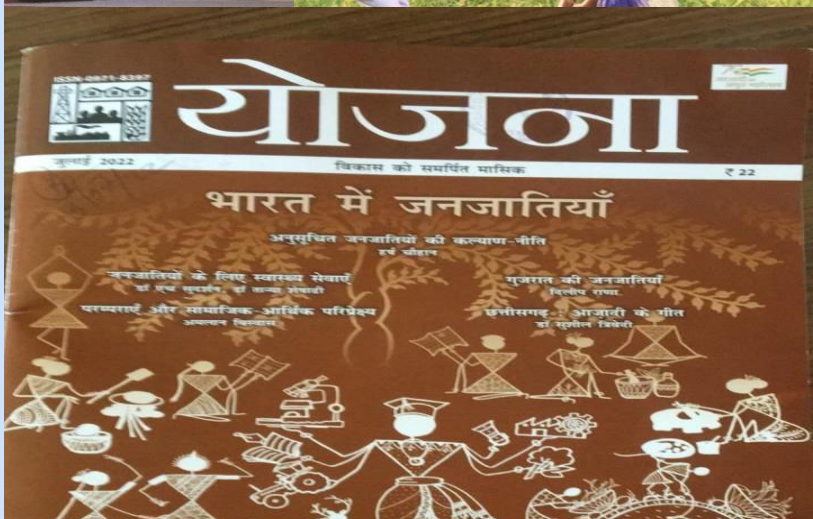
योजना
विकास को समर्पित मासिक
₹ 22
भारत में जनजातियाँ

मूल्यांकन प्रक्रिया

- केंद्रीकृत मूल्यांकन: विश्वविद्यालय सेमेस्टर परीक्षाएं
- आंतरिक मूल्यांकन (विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार):
  1. टेस्ट
  2. प्रस्तुतियां/ असाइनमेंट/परियोजनाएं
  3. उपस्थिति
- उपरोक्त मापदंडों के आधार पर छात्राओं का मूल्यांकन किया जाता है

छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत (बीए ऑनर्स- हिंदी कोर्स)

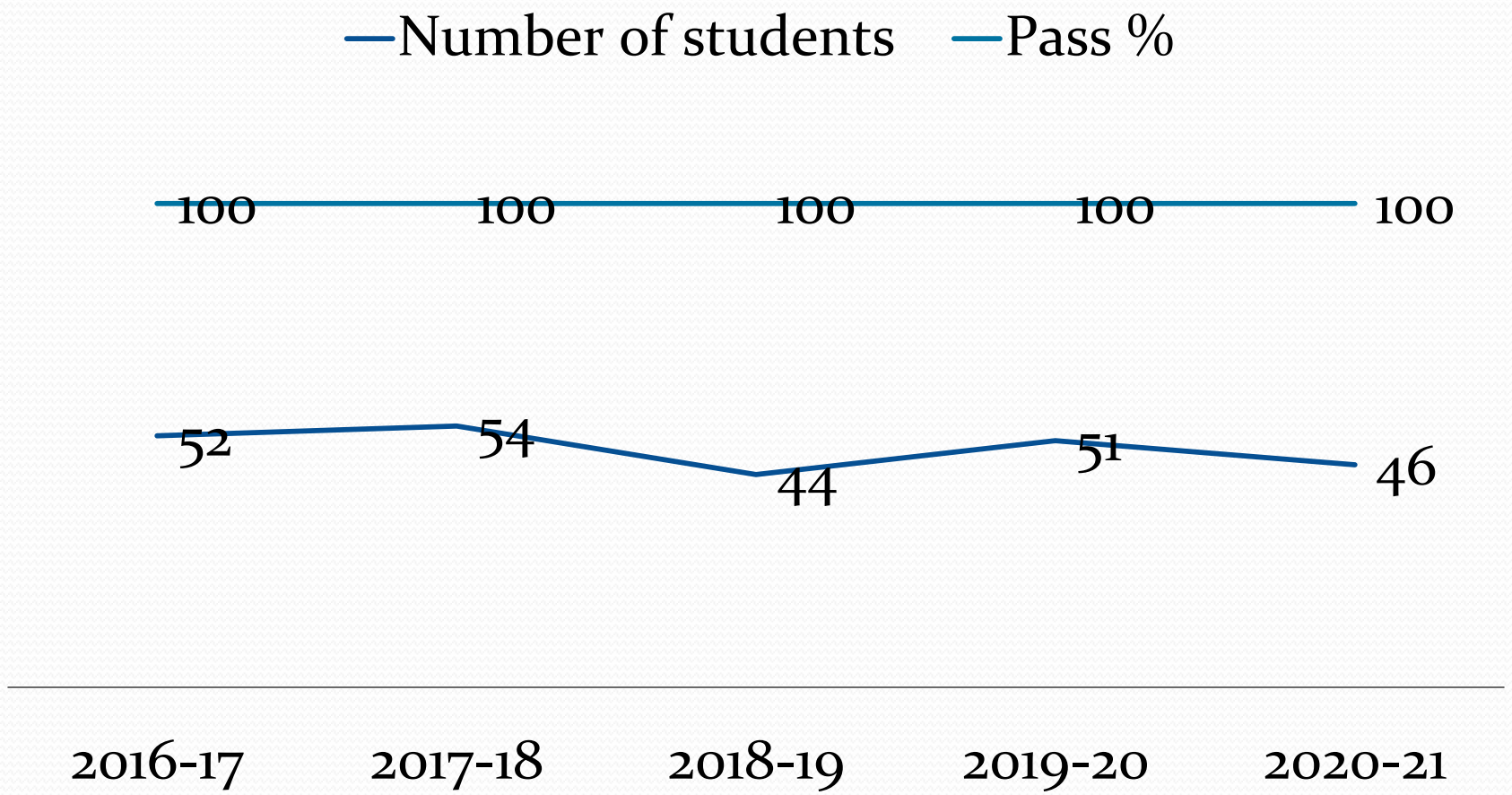

Division of students

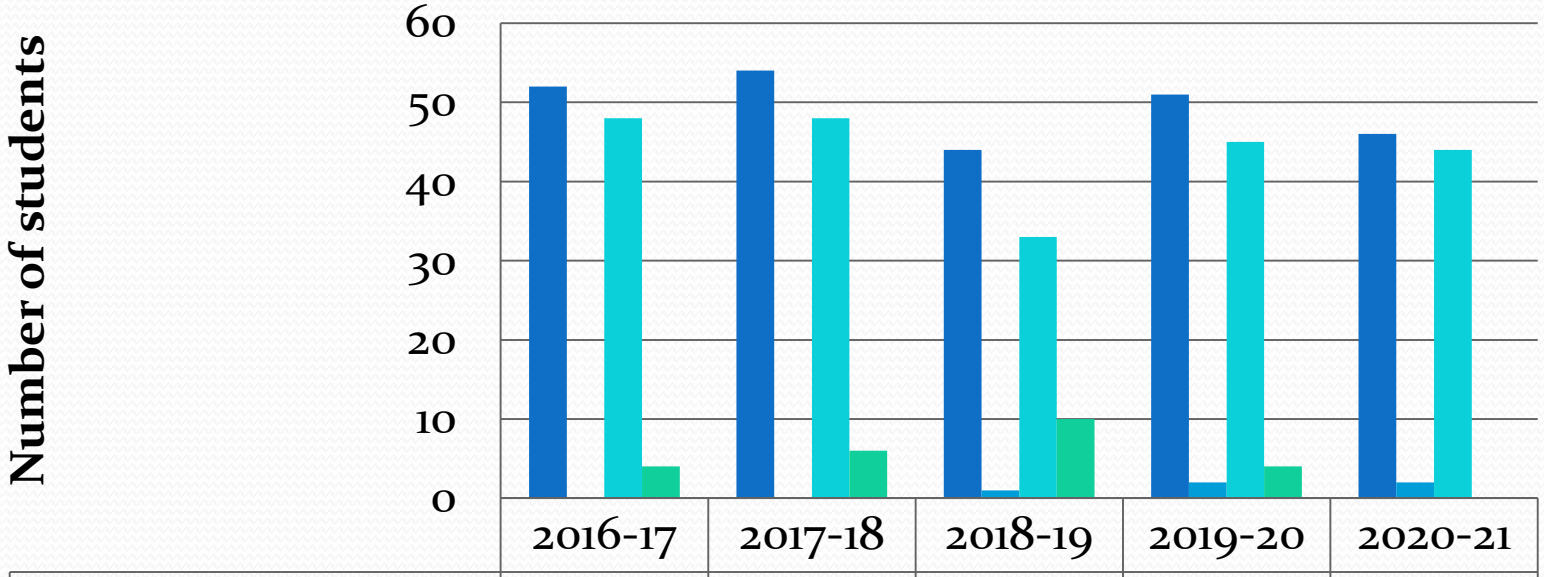

	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
Number of final year students appeared	52	54	44	51	46
Above 75%	0	0	1	2	2
1st Division	48	48	33	45	44
2nd Division	4	6	10	4	0

डीयू साउथ कैंपस 2018-2021 में तीसरा स्थान हासिल किया

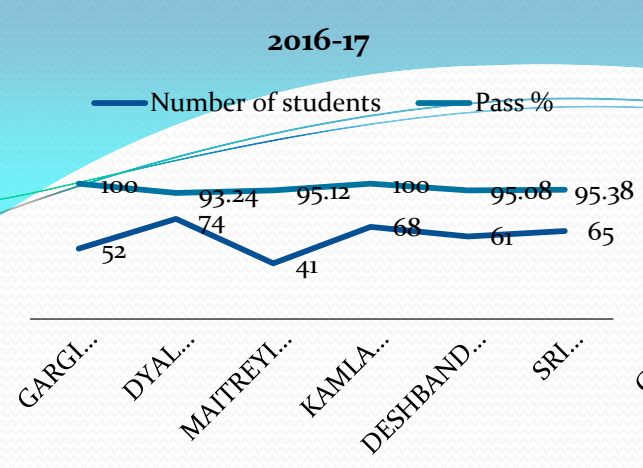

2016-17
Number of students
Pass %
100
93.24
95.12
100
95.08
95.38
52
74
41
68
61
65
GARGI...
DYAL...
MAITREYI...
KAMLA...
DESHBAND...
SRI...

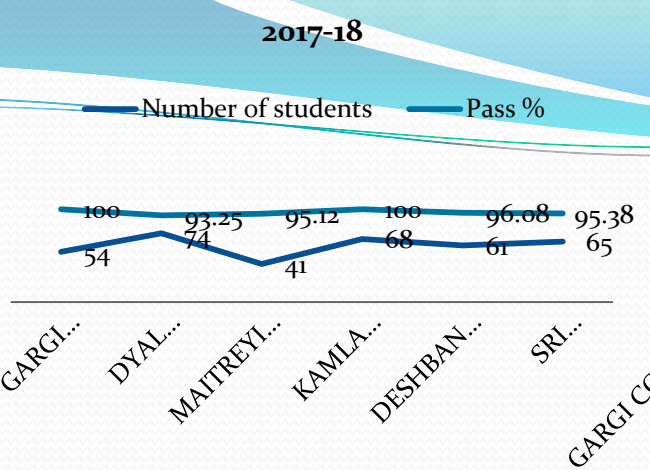

2017-18
Number of students
Pass %
100
93.25
95.12
100
96.08
95.38
54
74
41
68
61
65
GARGI...
DYAL...
MAITREYI...
KAMLA...
DESHBAN...
SRI...

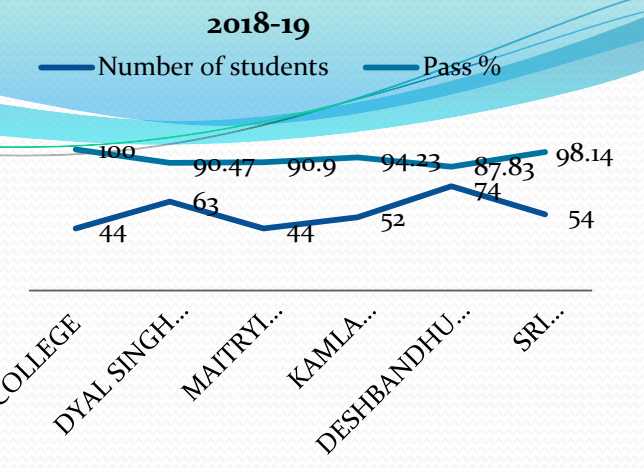

2018-19
Number of students
Pass %
100
90.47
90.9
94.23
87.83
98.14
44
63
44
52
74
54
GARGI COLLEGE
DYAL SINGH...
MAITRYI...
KAMLA...
DESHBANDHU...
SRI...

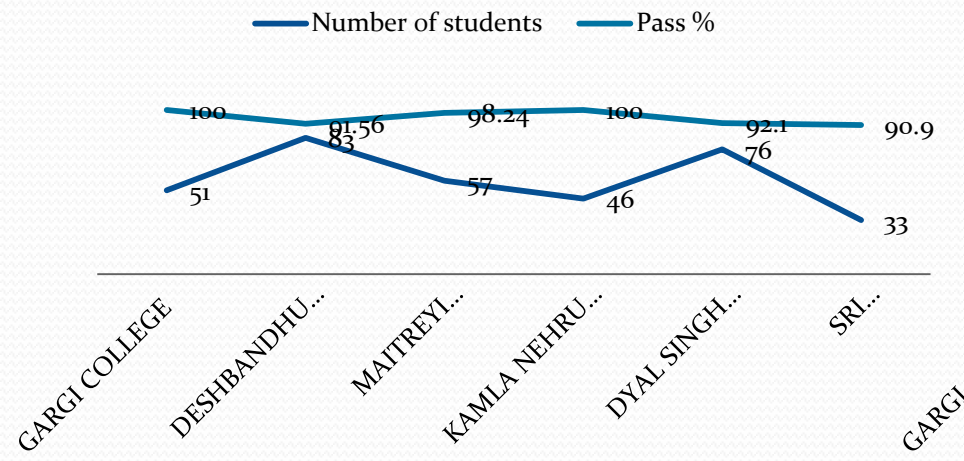

2019-20
Number of students
Pass %
100
91.56
98.24
100
92.1
90.9
51
83
57
46
76
33
GARGI COLLEGE
DESHBANDHU...
MAITREYI...
KAMLA NEHRU...
DYAL SINGH...
SRI...

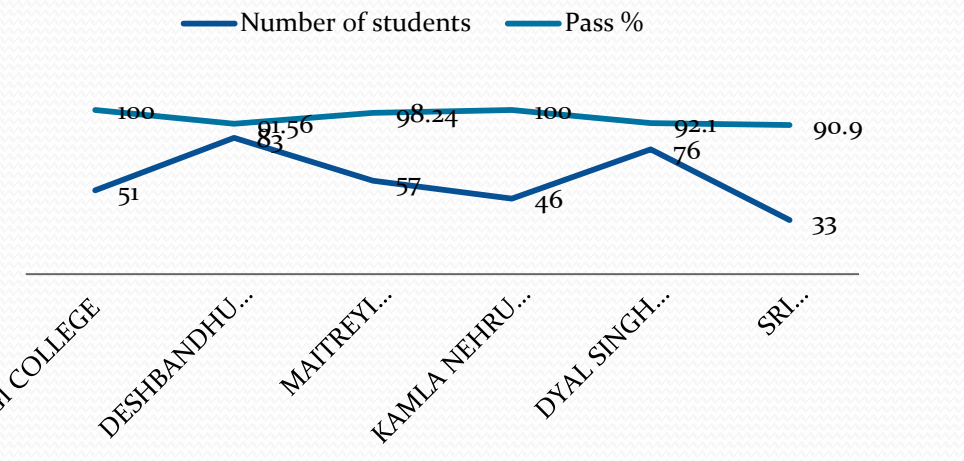

2020-21
Number of students
Pass %
100
91.56
98.24
100
92.1
90.9
51
83
57
46
76
33
GARGI COLLEGE
DESHBANDHU...
MAITREYI...
KAMLA NEHRU...
DYAL SINGH...
SRI...

मजबूत पक्ष

- हिंदी विभाग में पीएचडी धारक संकाय हैं
- पिछले पांच वर्षों के दौरान, बीए (ऑनर्स) पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के छात्राएं का उत्तीर्ण प्रतिशत 100% रहा
- सभी क्षेत्रों में पुरस्कारों और अकादमिक परिणामों के माध्यम से छात्राओं की प्रगति परिलक्षित
- छात्राओं के सीखने के माहौल के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालय सहायता

अवसर पक्ष

- रोजगार सृजन के लिए हिंदी विभाग के पास आवश्यकता आधारित लघु पाठ्यक्रम
- हिंदी में स्नातकोत्तर (एमए) पाठ्यक्रम और हिंदी अनुवाद में पीजी डिप्लोमा
- पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाले छात्राओं के लिए हिंदी में ऐड-ऑन सर्टिफिकेट कोर्स

चुनौती पक्ष

- हिंदी भाषा में आईसीटी उपकरणों का सुदृढ़ीकरण और विकास
- सामान्य वैकल्पिक (जीई) विषय के लिए हिंदी लेने के लिए अन्य धाराओं के छात्राओं में रुचि पैदा करना

धन्यवाद